## तेरापंथ विकास परिषद एवं अमृत संसद का 16वां संयुक्त वार्षिक अधिवेशन का शुभारंभ

**सरदारशहर, 28 अगस्त, 2010।**

28 अगस्त से 30 अगस्त तक चलने वाले त्रिदिवसीय संयुक्त अधिवेशन में देशभर से लगभग 150 अमृत संसद प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक लालचन्द सिंघी, महामंत्री डालमचन्द बैद, तेरापंथ विकास परिषद के परामर्शक कन्हैयालाल छाजेड़, बन्नेचन्द मालू, मांगीलाल सेठिया, जैन श्वेताज़्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष चैनरूप चिण्डालिया अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा कनक बरमेचा, महामंत्री वीणा बैद, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष एन. गौतमचन्द डागा, जय तुलसी के फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी सुरेन्द्र दूगड़ आदि विशिष्ट व्यक्ति इस संयुक्त अधिवेशन में उपस्थित थे।

चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी ने देशभर से आए हुए संसदों का अभिवादन किया, विकास परिषद के संयोजक लालचन्द सिंघी ने तेरापंथ विकास परिषद की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं दायित्वों से सदन को अवगत कराया।

प्रथम सत्र में जैन श्वेताज़्बर तेरापंथ महासभा के विकास बिन्दुओं पर चर्चा चली जिसमें अध्यक्ष द्वारा संस्था की भावी विकास की योजना एवं उन्हें क्रियान्वित करने की रूप रेखाओं पर प्रकाश डाला। संस्था के प्रभारी सदस्य राजकरन सिरोहिया ने संस्थागत समीक्षा एवं जिज्ञासा समाधान प्रस्तुत किया। संस्था के प्रभारी मुनि 'शासन गौरव' मुनिश्री धनंजयकुमार ने उपस्थित सदन को दिशा दर्शन प्रदान किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के प्रभारी संत मुनिश्री दिनेशकुमार ने उपस्थित सदन को दिशा दर्शन प्रस्तुत करते हुए युवक परिषद को भावी योजनाओं की क्रियान्विति पर चर्चा की।

दोपहर के सत्र में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने संयुक्त अधिवेशन के संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि जो शिविर आयोजित किये जाते हैं उसकी निष्पति पर, अपने कार्यों की प्रक्रिया के बारे में कार्यों से समाज को सीधा लाभ कैसे मिले, इस पर चिंतन होना चाहिए जिससे पूरे समाज का लगाव होगा, उन्होंने कहा कि तीनों संगठनमूलक संस्थाएं शक्तिसंपन्न संस्थाएं हैं और तीनों में आपसी समन्वय है

उन्होंने यह भी कहा कि समाज की शीर्षस्थ संस्थाओं का नेतृत्व महिलाओं के हाथ में हो जिससे महिलाओं के कार्य क्षमताओं को बढ़ाने का प्रयास हो सकता है। भारत में निजी कंपनियों में शिक्षा के क्षेत्र

में महिलाएं अग्रणी के रूप में कार्य कर रही है इसी तरह समाज की शीर्षस्थ संस्थाओं में भी उनका नेतृत्व हो।

इस अवसर पर मुज़्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा ने अपने वक्तयव्य में कहा कि प्रेक्षाध्यान एक प्रोजेक्ट गर्भवती महिलाओं के बारे में भी हो, उनके लिए कौनसा, मंत्र, ध्यान का प्रयोग कराया जाए, परिवार में सामंजस्य बना रहे जीने की कला सिखाने का प्रशिक्षण होने की बात कही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की प्रभारी साध्वी कल्पलता ने तेरापंथ महिला मण्डल के साथ कन्या मण्डल, युवा बहनों के जोड़ने की बात के साथ स्वाध्याय का कार्य भी चलना चाहिए।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा कनक बरमेचा, महामंत्री वीणा बैद ने संस्थागत कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा भावी योजनाओं के बारे में सदन को बताया। तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक लालचन्द सिंघी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

---

## तपस्या का विशेष महत्त्व है – साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए अपने प्रवचन में कहा कि पने प्रवचन में कहा कि तपस्या का जैन परंपरा में बहुत महत्व है, छह विज्ञों के वर्जन की चर्चा करते हुए कहा कि छह विज्ञय जिसमें दूध, दही, घी, तली हुई वस्तुएं आदि है का परित्याग करना चाहिए, आज़्यंतर तप भाव शुद्धि में सहायक बनता है, आंतरिक आज़्यंतर तप से आत्मा निखर जाती है। आत्मा कर्म से मलिन होती है तो वह तपस्या के द्वारा आत्मा निखर जाती है, जिस तरह से सोना भट्टियों का ताप सहन कर निखर जाता है,

उन्होंने यह भी कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ में अनेक साधु–साध्वियां हुए हैं जिन्होंने तपस्या के द्वारा साधना प्राप्त की है, उन्होंने साध्वी लक्ष्यप्रभा के मासखमण तपस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि साध्वी लक्ष्यप्रभा ने भावना, प्रमोद भावना से तपस्या की अनुमोदन की है।

इस अवसर पर गुरुकुलवास की साध्वियों ने तपस्वी साध्वी के प्रति मंगल भावना गीत द्वारा प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर लाडनूं के नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष बच्छराज नाहटा ने उपस्थित होकर अपने विचारों में कहा कि जब मैं यहां से आपसे आशीर्वाद प्राप्त कर गया तो एक ही संकल्प था कि मैं भ्रष्टाचार

में लिप्त होकर चुनाव नहीं लड़ूंगा, उसी शपथ के साथ चुनाव में जीत हासिल की, उन्होंने आगामी आचार्य तुलसी के जन्म शताब्दी वर्ष लाडनूं में करने की मांग के साथ भ्रष्टाचार मुक्त कार्यकाल निभाने का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पंजाब से आए लोगों ने आचार्यश्री महाश्रमण से पंजाब पधारने की अर्ज की।

जैन श्वेताज़्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष चैनरूप चिण्डालिया ने आचार्य महाप्रज्ञ की समाधि निर्माण में भूमि के दानदाता बच्छावत परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

## आयकर आयुक्त ने किये आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन

मध्यान्ह में आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ आए आयकर आयुक्त तृतीय जयपुर जे.एन. वासुदेव व उनके साथ सपत्नीक आए चुरू जिला के आयकर अधिकारी मनमोहनसिंह शर्मा, श्रीयादव ने आचार्य महाश्रमण से विचार विमर्श किया, चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, स्थानीय तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, मंत्री करणीदान चिण्डालिया ने उनका साहित्य द्वारा सज़्मान किया।